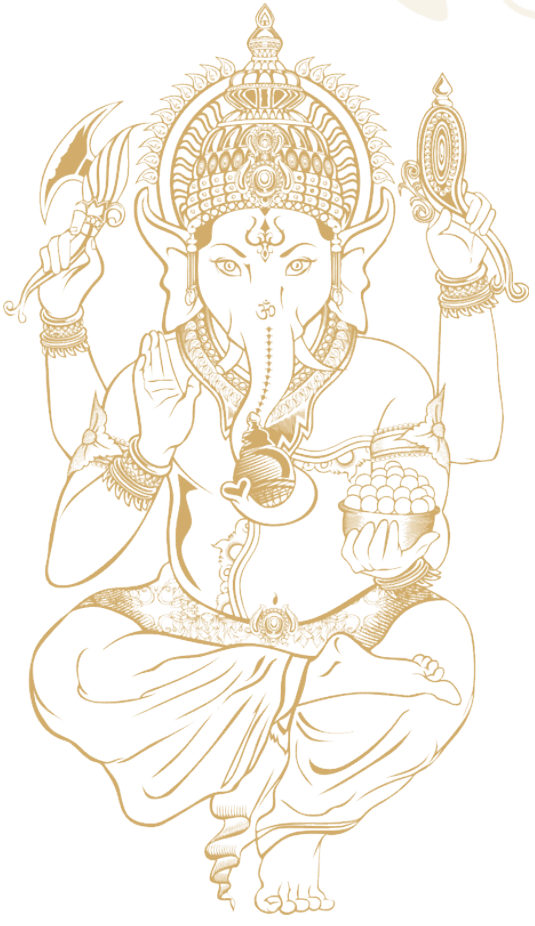

Jai keshwani

26 Apr 1996

12:05 AM

Wani

Model: web-freekundliweb

Order No: 121785002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25-26/04/1996**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**00:05:00 घंटे**
इष्ट	45:39:48 घटी
स्थान	**Wani**
देश	India

अक्षांश	20:04:00 उत्तर
रेखांश	78:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:14:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:50:48 घंटे
वेलान्तर	00:02:04 घंटे
साम्पातिक काल	14:07:00 घंटे
सूर्योदय	05:49:04 घंटे
सूर्यास्त	18:35:34 घंटे
दिनमान	12:46:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	12:01:10 मेष
लग्न के अंश	27:50:32 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शूल
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	27:50:32	363:03:40	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			मेष	12:01:10	00:58:24	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	11:04:09	11:53:39	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	स्वराशि
मंगल		अ	मेष	00:55:07	00:45:28	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
बुध			वृष	01:47:59	00:44:55	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
गुरु			धनु	23:43:33	00:01:39	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र			वृष	24:54:01	00:41:35	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	स्वराशि
शनि			मीन	08:19:33	00:06:37	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	23:10:08	00:00:15	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	23:10:08	00:00:15	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	10:42:25	00:00:39	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप			मक	03:56:34	00:00:07	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	08:38:19	00:01:25	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	10:11:46	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:24

लग्न-चलित

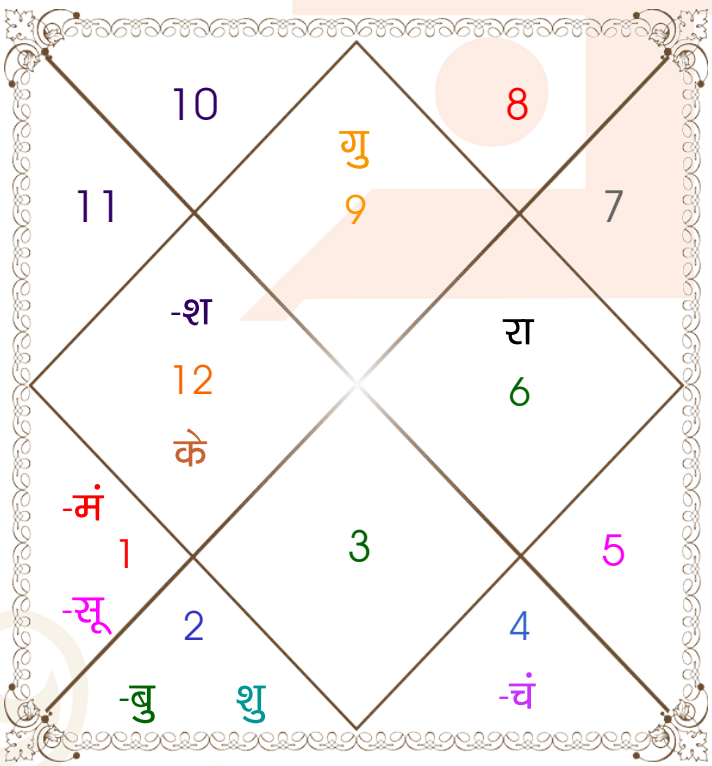

चन्द्र कुंडली

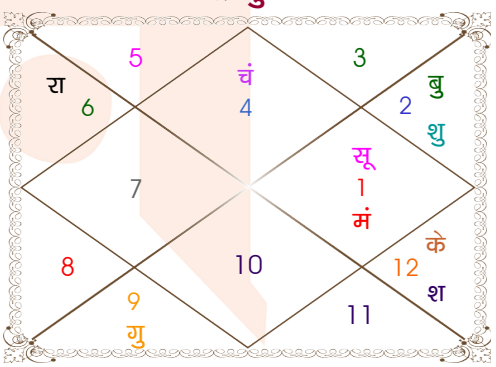

नवमांश कुंडली

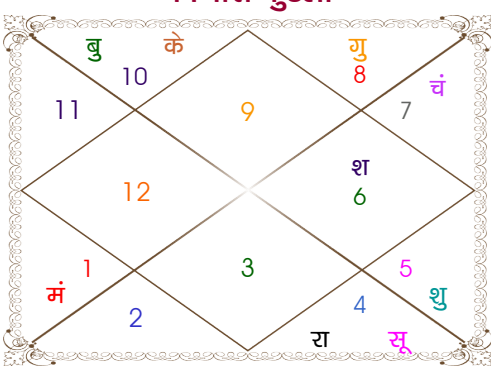

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 7 वर्ष 11 मास 21 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
26/04/1996		17/04/2004		17/04/2021		17/04/2028		17/04/2048	
17/04/2004		17/04/2021		17/04/2028		17/04/2048		17/04/2054	
	00/00/0000	बुध	14/09/2006	केतु	13/09/2021	शुक्र	17/08/2031	सूर्य	04/08/2048
	00/00/0000	केतु	11/09/2007	शुक्र	13/11/2022	सूर्य	17/08/2032	चंद्र	03/02/2049
	00/00/0000	शुक्र	12/07/2010	सूर्य	21/03/2023	चंद्र	17/04/2034	मंगल	11/06/2049
	00/00/0000	सूर्य	18/05/2011	चंद्र	20/10/2023	मंगल	18/06/2035	राहु	06/05/2050
	26/04/1996	चंद्र	17/10/2012	मंगल	17/03/2024	राहु	17/06/2038	गुरु	22/02/2051
चंद्र	20/10/1997	मंगल	14/10/2013	राहु	05/04/2025	गुरु	15/02/2041	शनि	04/02/2052
मंगल	29/11/1998	राहु	02/05/2016	गुरु	12/03/2026	शनि	17/04/2044	बुध	10/12/2052
राहु	05/10/2001	गुरु	08/08/2018	शनि	21/04/2027	बुध	16/02/2047	केतु	17/04/2053
गुरु	17/04/2004	शनि	17/04/2021	बुध	17/04/2028	केतु	17/04/2048	शुक्र	17/04/2054

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/04/2054		17/04/2064		18/04/2071		17/04/2089		18/04/2105	
17/04/2064		18/04/2071		17/04/2089		18/04/2105		00/00/0000	
चंद्र	16/02/2055	मंगल	13/09/2064	राहु	29/12/2073	गुरु	05/06/2091	शनि	21/04/2108
मंगल	17/09/2055	राहु	02/10/2065	गुरु	23/05/2076	शनि	17/12/2093	बुध	30/12/2110
राहु	18/03/2057	गुरु	07/09/2066	शनि	30/03/2079	बुध	24/03/2096	केतु	08/02/2112
गुरु	18/07/2058	शनि	17/10/2067	बुध	17/10/2081	केतु	27/02/2097	शुक्र	10/04/2115
शनि	16/02/2060	बुध	14/10/2068	केतु	04/11/2082	शुक्र	29/10/2099	सूर्य	22/03/2116
बुध	17/07/2061	केतु	12/03/2069	शुक्र	04/11/2085	सूर्य	18/08/2100	चंद्र	27/04/2116
केतु	16/02/2062	शुक्र	12/05/2070	सूर्य	29/09/2086	चंद्र	18/12/2101		00/00/0000
शुक्र	17/10/2063	सूर्य	17/09/2070	चंद्र	30/03/2088	मंगल	24/11/2102		00/00/0000
सूर्य	17/04/2064	चंद्र	18/04/2071	मंगल	17/04/2089	राहु	18/04/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 7 वर्ष 11 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आपके जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगे। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानते हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देते हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगे। आप बहुत धन संग्रह करेंगे। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगे तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगे। जो आप पर विश्वास करेगा। आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगे। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहते हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगे क्योंकि वे आपको कला में प्रवीनता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपका संरक्षण अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपनी कुशल एवं प्रिय गृहणी के साथ आनंद प्राप्त करेंगे तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगे। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। आपका घर अन्यों की अपेक्षा इर्ष्यारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्यृत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकते हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात् विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपके स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अंहकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर लिए तो आप रोग मुक्त हो सकते हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंखी रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।